पाठ-7

वृक्ष निभाता रिश्ता-नाता

- अज़हर हाशमी

आइए सीखें

■ ध्वन्यात्मक शब्द सौन्दर्य ■ औषधीय पौधों की जानकारी ■ वृक्षों से लाभ ■ वाक्य प्रयोग ■ लिंग बदलना ■ तत्सम शब्द।

पीपल पावन पिता सरीखा, तुलसी जैसे माता
'त्रिफला' बहन-बहू-बिटिया-सा, बेर सरीखा भ्राता
महुआ मामा जैसा लगता, वन-उपवन महकाता
आम-वृक्ष नाना-सा वत्सल, मीठे फल बरसाता
पोषक, रक्षक, जीवनदायी औषधियों का दाता।
वृक्ष निभाता आज भी पारिवारिक रिश्ता-नाता॥
पौधों को रोपें-सींचें॥
आओ! आनन्द उलीचें॥

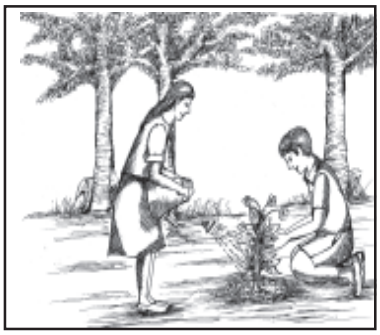

देवदार दादाजी जैसा, इमली जैसे दादी
खिरनी नानी-सी है मीठी, निर्मल, सीधी-सादी
बरगद है परदादा जैसा, जटा-जूट संन्यासी
गुलमोहर चाचा-सा जिसकी रंगत हरे उदासी
नीम ननद-ननदोई-सा, लेकिन रोगों का त्राता।
वृक्ष निभाता आज भी पारिवारिक रिश्ता-नाता।
पौधों को रोपें-सींचें॥
आओ! आनन्द उलीचें॥

शिक्षण संकेत

▸ छात्रों को विभिन्न वृक्षों की जानकारी दें ▸ पर्यावरण सुरक्षा में वृक्षों की उपयोगिता से परिचित कराएँ ▸ पौधे लगाने के लिए छात्रों को विभिन्न उदाहरण देकर कहानी, कविता के माध्यम से प्रेरित करें ▸ विद्यालय परिसर में छात्रों से वृक्षारोपण करवाएँ ▸ अपने आसपास के पर्यावरण से वृक्षों के नाम पूछें और उन्हें विभिन्न वृक्षों की पत्तियों से परिचित करवाएँ।

मौलसिरी यानी ज्यों मौसी मोहक ममता वाली
मेंहदी मामी-सी है किन्तु अद्‌भुत क्षमता वाली
है अशोक परनाना-सा, रिश्तों की नैया खेता
शीशम शगुन श्वसुर-सा देता, नहीं कभी कुछ लेता

मधुमेह का कुशल वैद्‌य है जामुन ज्यों जामाता।
वृक्ष निभाता आज भी पारिवारिक रिश्ता-नाता।

पौधों को रोपें-सींचें॥
आओ! आनन्द उलीचें॥

शब्दार्थ

पावन=पवित्र। **त्रिफला**=हर्र, बहेड़ा और आँवला (आयुर्वेद में ये तीन महाऔषधियाँ मानी गई हैं।) **वत्सल**=स्नेही, पुत्रवत् प्रेम करने वाला। **देवदार (देवदारु)**=विशाल आकार का वृक्ष जो हिमालय की तराई में पाया जाता है। **जामाता**=दामाद। **सरीखा**=समान। **त्राता**=रक्षक। **महकाता**=सुगंध फैलाता। **ननद**=पति की बहन।

अनुभव विस्तार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **(क) सही जोड़ी मिलाइए—**

- देवदार, इमली – मामा-मामी
- पीपल, तुलसी – दादा-दादी
- आम, खिरनी – पिता-माता
- महुआ, मेंहदी – नाना-नानी

(ख) दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

- नीम ..... सा लेकिन रोगों का त्राता। (ननद-ननदोई/सास-ससुर)
- गुलमोहर..... सा जिसकी रंगत हरे उदासी। (नाना/चाचा)
- अशोक ..... सा रिश्तों की नैया खेता। (भ्राता/परनाना)
- वृक्ष निभाता आज भी ..... रिश्ता नाता। (सामाजिक/पारिवारिक)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए—

(क) कवि तुलसी को किस रूप में स्मरण करता है?

(ख) आम से हमारा कौन-सा रिश्ता है?

(ग) जामुन किस रोग की दवा है?

(घ) अशोक के वृक्ष को परनाना क्यों कहा है?

(ङ) पौधों के प्रति हमारे क्या कर्त्तव्य हैं?

लघु उत्तरीय प्रश्न

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-से-पाँच वाक्यों में दीजिए—

(क) किन्हीं दो वृक्षों की उपमा किन-किन रिश्तों से की गई है? बताइए।

(ख) किन-किन वृक्षों से औषधियाँ बनती हैं?

(ग) वृक्ष न हों तो पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा? स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आओ आनंद उलीचें' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ङ) कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

भाषा की बात

4. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध उच्चारण कीजिए—

त्रिफला, औषधियाँ, पारिवारिक, जीवनदायी, त्राता, वैद्य

5. निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी पर गोला लगाइए—

- पिपल, पीपल, पीपला
- महुआ, महूआ, माहुआ
- गूलमोहर, गुलमोहर, गुलुमोहर
- मधुमेह, मधुमोह, मधुमहो

6. उदाहरण के अनुसार स्त्रीलिंग रूप लिखिए—

	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
उदाहरण -	दादा	-	दादी
	नाना	-	
	मामा	-	
	चाचा	-	
	मौसा	-	
	ननदोई	-	

7. वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

- नदियाँ में बाढ़ आ गई है।
- आप क्या काम करेगा?
- बच्चों काम कर रहे हैं।
- कइयों लोगों ने कोशिश की है।
- तुम कब आया?

8. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए—

पिता, माता, भाई, आम, ससुर

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और वृक्षों की महत्ता को समझिए—

''भारतीय संस्कृति में स्थान-स्थान पर प्रकृति, हरीतिमा एवं विशेषकर वृक्षों की महिमा गाई गई है। इसके लिए विविध विशेषणों का उपयोग भी किया गया है। जैसे—वृक्ष-प्रकृति के परिधान, वृक्ष-आध्यात्मिक प्रशिक्षक, वृक्ष-मानव जाति के अनन्य सेवक, वृक्ष-प्राण एवं आरोग्य दाता, वृक्ष-धन्वंतरि, वृक्ष-कर्ण और दधीचि, वृक्ष-साक्षात विष-पान करने वाले शिव आदि। वास्तव में वृक्षों से न सिर्फ इमारती लकड़ियाँ, ईंधन, खाद, मीठे फल, पक्षियों को आश्रय, शीतल-सुखद छाया और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है; बल्कि वृक्षों की स्मृति में श्रावणी-पर्व, हरियाली अमावस्या आदि मनाए जाने का भी विधान बताया गया है, जिनके अलौकिक लाभ हैं। हरे वृक्षों को काटना जघन्य अपराध है।''

अब करने की बारी

- अपने बगीचे, घर के आस-पास और जंगल में पाए जाने वाले वृक्षों की सूची बनाइए।
- वर्षा ऋतु में अपने विद्यालय में पौधे रोपें, उन्हें सींचे और स्वस्थ पर्यावरण का आनन्द उठाएँ।
- अशोक, मौलसिरी और शीशम के वृक्षों के चित्र बनाकर अपनी कक्षा में लगाएँ।
- औषधि वाले पाँच वृक्षों के नाम लिखिए।

❑❑